

  
**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकारात्मक प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 126] नई बिल्ली, बृहद्वार, अप्रैल 25, 1979/वैशाख 3, 1901  
N. 126] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 25, 1979/VAISAKHA 3, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई बिल्ली, 25 अप्रैल, 1979

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नं. 265(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम  
8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शरीकताओं का प्रसारण करते हुए, भारत सरकार के वित्त  
मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 95/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च,  
1979 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्,—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) परन्तु ये, खण्ड (2) का लोप किया जाएगा और खण्ड (3) की लंबे (2) के  
लोप में पृष्ठसंलग्नांकित किया जाएगा ;

(ख) स्थानी में, क्रम सं. 8 के सामने, स्थान (3) में की प्रविधि के स्थान पर  
निम्नलिखित प्रविधि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“इसात के बिल्लैट, तार और छड़े”।

[176/79/फ. सं. बजट 103/2 और 17/79-ट्रु. आर. यू.]

टी. आर. सुसागी, अधर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**

(Department of Revenue)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th April, 1979

**CENTRAL EXCISES**

**G.S.R. 265(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 95/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, namely :—

In the said notification,—

- (a) in the proviso, clause (ii) shall be omitted and clause (iii) shall be re-numbered as clause (ii) ;
- (b) in the Table, for the entry in column (3) against Serial No. 8, the following entry shall be substituted, namely :—

“Steel billets, wires and wire rods”.

[176/79/F. No. B. 103/2 & 17/79-TRU.]  
T. R. RUSTAGI, Under Secy.